**GUEST LECTURES ON "STANDARDIZATION IN THE FIELD OF PROTECTIVE TEXTILES" ON APRIL 5, 2022 AT UTTAR PRADESH TEXTILE TECHNOLOGY INSTITUTE (UPTTI), KANPUR.**

Academia is the learning ground for the young minds of the society who become the leaders for tomorrow for future standardization and build a society with quality consciousness.

As a part of new initiative by Bureau of Indian Standards, Textiles department delivered guest lectures on "**Standardization in the Field of Protective Textiles**" to enhance the knowledge and awareness among students (B. Tech/M.Tech/PhD) on Tuesday, April 5, 2022 at Uttar Pradesh Textile Technology Institute (UPTTI), Kanpur. The lecture was attended by about 110 students and UPTTI officials.

A detailed presentation on '**An Overview of Standardization Activity of BIS'** was delivered by Shri Dharmbeer, Scientist-C. The students and UPTTI officials were apprised of the following important aspects about BIS: −

- An overview of BIS Activity
- Standards & importance of participation in standardization work
- Structure for Standards Development
- Process of standard formulation and types of standards
- Overview of work carried out by Textiles Division Council
- New initiatives taken by BIS for Digitization of Standardization Activity and Standards Development

A detailed presentation on '**Indian Standards on Protective Clothing'** was delivered by Shri Mayur Katiyar, Scientist-B. In his presentation, he apprised the students and UPTTI officials about the salient features, performance requirement and test method of the following important Indian standards published by the committee TXD 32: -

- IS 17051 : 2018, Bullet Resistant Jacket
- IS 16890 : 2018 Protective clothing for firefighter clothing
- IS 15809 : 2018, High Visibility Warning Clothing
- IS 15748 : 2022 Protective clothing against heat and flame
- IS 16874 : 2018, Protective Gloves for Firefighter etc.

The session was followed by a brief Q & A and all the queries raised by students and faculty members were resolved. The lecture and the new initiative of BIS was well appreciated by officials and the students of UPTTI. The lecture was helpful for students/officials for their knowledge enhancement and awareness on various activities being carried out by BIS.

It was informed that Indigenous Indian Standards have been made freely downloadable from BIS website which can be utilized by students/faculty members for their study/research work.

**<u>उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (यूपीटीटीआई), कानपुर में "सुरक्षात्मक वस्त्रों के क्षेत्र में मानकीकरण" पर अतिथि व्याख्यान - 5 अप्रैल, 2022</u>**

एकेडेमिया , समाज के युवा दिमागों के सीखने का आधार है, जो भविष्य के मानकीकरण के लीडर बनते हैं और गुणवत्ता के प्रति सचेत समाज का निर्माण करते हैं।

भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा शुरू की गई नई पहल के रूप में, वस्त्रादी विभाग ने मंगलवार 5, अप्रैल 2022 को उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (यूपीटीटीआई), कानपुर में छात्रों (बी.टेक/एम.टेक/पीएचडी) के बीच ज्ञान और जागरूकता बढ़ाने के लिए "सुरक्षात्मक वस्त्रों के क्षेत्र में मानकीकरण" पर अतिथि व्याख्यान दिया। व्याख्यान में लगभग 110 छात्रों और यूपीटीटीआई के अधिकारियों ने भाग लिया।

श्री धर्मबीर, वैज्ञानिक-सी द्वारा 'बीआईएस की मानकीकरण गतिविधि का एक अवलोकन' पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। छात्रों और यूपीटीटीआई के अधिकारियों को बीआईएस के बारे में निम्नलिखित महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया गया: -

- बीआईएस गतिविधियों का एक अवलोकन
- मानक और मानकीकरण कार्य में भागीदारी के महत्व
- मानक विकास के लिए संरचना
- मानक निर्माण की प्रक्रिया और मानकों के प्रकार
- वस्त्रादी विभाग परिषद द्वारा किए गए कार्यों का अवलोकन
- मानकीकरण गतिविधि और मानक विकास के डिजिटलीकरण के लिए बीआईएस द्वारा की गई नई पहल।

श्री मयूर कटियार, वैज्ञानिक-बी द्वारा 'सुरक्षात्मक कपड़ों पर भारतीय मानक' पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। अपनी प्रस्तुति में उन्होंने छात्रों और यूपीटीटीआई के अधिकारियों को टीएक्सडी 32 समिति द्वारा प्रकाशित निम्नलिखित महत्वपूर्ण भारतीय मानकों की मुख्य विशेषताओं, प्रदर्शन आवश्यकता और परीक्षण पद्धति से अवगत कराया: -

- आई एस 17051 : 2018, वस्त्रादी- बुलेट प्रतिरोधक जैकेट- कार्यकारिता की अपेक्षाएं
- आई एस 16890 : 2018, वस्त्रादी- अग्निशामकों के लिए सुरक्षात्मक कपड़े- विशिष्टि
- आई एस 15809 : 2018, उच्च द्रश्यता के चेतावनी वस्त्र- विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)
- आई एस 15748 : 2022, वस्त्रादी- औद्योगिक मजदूरों के लिए गर्मी से बचाव के लिए सुरक्षा वस्त्र (आग बुझाने वालों और वेल्डरों के वस्त्रो को छोड़कर)
- आई एस 16874 : 2018, वस्त्रादी- अग्निशामकों के लिए सुरक्षा दस्ताने- विशिष्टि

सत्र के बाद एक संक्षिप्त प्रश्नोत्तर हुआ और छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा उठाए गए सभी प्रश्नों का समाधान किया गया। व्याख्यान और बीआईएस की नई पहल की यूपीटीटीआई के अधिकारियों और छात्रों ने खूब सराहना की गई। व्याख्यान छात्रों / अधिकारियों के लिए उनके ज्ञान वृद्धि और बीआईएस द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों पर जागरूकता के लिए सहायक था।

यह बताया गया कि स्वदेशी भारतीय मानकों को भारतीय मानक ब्यूरो की वेबसाइट से मुफ्त में डाउनलोड करने योग्य बनाया गया है जिसका उपयोग छात्र/संकाय सदस्य अपने अध्ययन/अनुसंधान कार्य के लिए कर सकते हैं।

STANDARDIZATION SPACE
10
Dr. J. R. Singh